युवा प्रभाग-दिव्य दर्पण ग्रुप
जनवरी, 2010 के पुरुषार्थ की प्वाइंट्स

जनवरी मास का चार्ट:

लक्ष्य – श्रेष्ठ स्थिति द्वारा परिस्थिति पर विजय।

जनवरी मास विशेष वरदानी मास है। हम सभी के लिए ब्रह्मा बाबा के स्नेह में समाने और उनके कदम पर कदम रख समान बनने का विशेष अव्यक्त मास है। वर्तमान समय प्रमाण हमें समय की समीपता को देखते हुए पुरुषार्थ की रफ्तार को तीव्र बनानी होगी। अपनी श्रेष्ठ स्थिति द्वारा हर परिस्थिति पर विजय प्राप्त करने का संकल्प लेना है।

आओ, हम सभी अपनी श्रेष्ठ स्थिति द्वारा हर परिस्थिति पर विजय प्राप्त कर ज्ञानदाता और ज्ञान को विश्व के सामने प्रत्यक्ष करें।

इस मास हम अलग अलग स्थिति का अभ्यास कर आने वाली परिस्थितियों का सामना करेंगे:

विधि :

सप्ताह	दिव्य दर्पण की स्थिति
प्रथम	मर्यादा पुरुषोत्तम स्थिति
दूसरा	इच्छा मात्रम् अविद्या की स्थिति
तीसरा	सदा लवलीन स्थिति
चौथा	सदा अचल, अडोल, एकरस स्थिति

1. मर्यादा पुरुषोत्तम स्थिति: मर्यादा पुरुषोत्तम अर्थात् कोई भी संकल्प रूपी कदम ईश्वरीय मर्यादा की लकीर के बाहर न हो। सदा नशा रहे कि हम सर्व पुरुषों से उत्तम पुरुष बनने वाले देव आत्माओं से भी ऊंचे ब्राह्मण हैं। पुरुषोत्तम स्थिति में रहने वाले के विचार, वृत्ति, दृष्टि, वाणी, कर्म और व्यवहार सदा उत्तम होते हैं। जैसे ब्रह्मा बाप साधारण तन में होते भी पुरुषोत्तम अनुभव होते थे। तो फॉलो फादर करना है। कितने % मर्यादा पुरुषोत्तम रहे यह लिखना है।
2. इच्छा मात्रम् अविद्या की स्थिति: इच्छा मात्रम् अविद्या यह स्थिति देवताओं की नहीं परन्तु हम ब्राह्मणों की है क्योंकि जब रचयिता ही अपना हो गया तो रचना तो स्वत: हमारी है इसलिए हम सर्व प्राप्ति सम्पन्न हैं। जो इस स्थिति में रहता है, वही अखण्ड दानी बन सकता है। जैसे ब्रह्मा बाप ने स्वयं का समय भी सेवा में दिया। स्वयं निर्माण बन बच्चों को मान दिया। अपना त्याग कर दूसरे का नाम किया, तो मालिकपन का मान भी दे दिया। ऐसे फॉलो फादर करो। कितने % इस स्थिति में रहे।
3. सदा लवलीन स्थिति: परमात्म प्यार इस ब्राह्मण जन्म का आधार है। सेवा में वा स्वयं की चढ़ती कला में सफलता का मुख्य आधार है – एक बाप से अटूट प्यार। जो सदा बाप की याद में लवलीन रह मैंपन की त्याग वृत्ति में रहते हैं उन्हों से ही बाप दिखाई देता है। जब हम बच्चे बाप के लव में लवलीन रहेंगे तो औरों को भी सहज आप-समान व बाप-समान बना सकेंगे। कितने % लवलीन स्थिति रही वह लिखना है।
4. सदा अचल, अडोल, एकरस स्थिति: बाबा द्वारा मिले हुए खजानों को सदा कायम रखने का साधन है सदा अचल अडोल एकरस स्थिति। किसी भी वातावरण में, वायुमण्डल में रहो लेकिन स्थिति सदा अचल अडोल एकरस हो। दुनिया की किसी भी प्रकार की हलचल अचल अडोल एकरस स्थिति में विघ्न न डाले। ऐसे विघ्न-विनाशक अचल अडोल बन हर विघ्न को पार करना है। विघ्न एक खेल अनुभव हो। कितना % अचल, अडोल, एकरस रहे वह लिखना है।

❖ फ्रेमबुक में ऊपर चार पंक्तियों में निम्नलिखित बिन्दु लिखकर उसका परिणाम प्रतिदिन रात को सोने से पहले लिखें:

1.गुड मॉर्निंग - 3.30
2.अमृतवेला - 3.30 से 4.45, बाबा के कमरे में
3.व्यायाम/पैदल - हाँ जी
4.ट्रैफिक कन्ट्रोल- 5
5.मुरली क्लास - क्लास में सुनी
6.अव्यक्त मुरली पढ़ी? - हाँ जी
7.स्वमान की स्मृति -बहुत अच्छी
8. नुमाशाम का योग- हाँ जी
9.स्थिति कैसी रही: 70%
10.गुड नाईट- 9.30

❖ इस मास में सदा प्रसन्नचित्त रहना है, न की प्रश्नचित्त। क्यों, क्या, कैसे न कर हर बात में बिन्दी लगानी है, बिन्दी बनना है और बिन्दी बाबा में समा जाना है।

❖ दिव्य दर्पण के विशेष अभ्यास के साथ-साथ फ्रेम बुक में आज की मुरली के पश्चात् कम से कम 21 बार आज का स्वमान लिखना है या चिन्तन कर 10 प्वाइंटस लिखनी है एवं कोई अनुभव हुआ हो तो वह ज़रूर लिखें।

❖ स्वमान:

1. मैं आत्मा मर्यादा पुरुषोत्तम हूँ।	16. मैं आत्मा बिन्दी हूँ।
2. मैं आत्मा सुख स्वरूप हूँ।	17. मैं आत्मा लाइट-माइट रूरुप हूँ।
3. मैं आत्मा सर्वश्रेष्ठ हूँ।	18. मैं आत्मा मास्टर प्यार का सागर हूँ।
4. मैं आत्मा महान हूँ।	19. मैं आत्मा प्रभू प्यार में पलने वाली हूँ।
5. मैं आत्मा मास्टर प्रकृतिपति हूँ।	20. मैं आत्मा लवली हूँ।
6. मैं आत्मा सतधर्म की स्थापना के निमित्त हूँ।	21. मैं आत्मा लगन में मग्न रहने वाली हूँ।
7. मैं आत्मा ईश्वरीय मर्यादा की लकीर के अन्दर रहनेवाली हूँ।	22. मैं आत्मा अचल अडोल हूँ।
8. मैं आत्मा इच्छा मात्रम् अविद्या हूँ।	23. मैं आत्मा धैर्यवान हूँ।
9. मैं आत्मा सर्व प्राप्ति सम्पन्न हूँ।	24. मैं आत्मा विघ्न विनाशक हूँ।
10. मैं आत्मा मास्टर दाता हूँ।	25. मैं आत्मा ड्रामा की पटरी पर चलने वाली हूँ।
11. मैं आत्मा सफलतामूर्त हूँ।	26. मैं आत्मा अनुभवीमूर्त हूँ।
12. मैं आत्मा अखण्ड दानी हूँ।	27. मैं आत्मा निर्बल को समर्थ बनाने वाली हूँ।
13. मैं आत्मा मास्टर वरदाता हूँ।	28. मैं आत्मा पावरफूल हूँ।
14. मैं आत्मा आधारमूर्त हूँ।	29 मैं आत्मा साक्षीदृष्टा हूँ।
15. मैं आत्मा लवलीन हूँ।	30. मैं आत्मा निर्भय हूँ।
	31. मैं आत्मा शक्तिशाली हूँ।

❖ हर मास के प्रथम सप्ताह में यह पोस्टकार्ड लिखकर महादेवनगर युवा प्रभाग कार्यालय में भेजना है। अगर आप मर्यादा पुरुषोत्तम ग्रुप में शामिल होना चाहते हैं तो पोस्टकार्ड में ज़रूर से लिखें:

नाम:_______ सेन्टर का नाम:__________ DiDar No:

गुड मॉर्निंग-90%	**अमृतवेला-75%**
व्यायाम/पैदल-80%	**ट्रैफिक कन्ट्रोल-45%**
मुरली क्लास-90%	**नुमाशाम का योग-45%**
स्वमान की स्मृति-55%	**अव्यक्त मुरली पढ़ी?-80%**
स्थिति कैसी रही -70%	**गुड नाइट-95%**

चार्ट: OK या ~~OK~~ **टीचर के हस्ताक्षर**

मैं मर्यादा पुरुषोत्तम ग्रुप में जुड़ना चाहता हूँ।

Phone No: (079) 26444415, 26460944 Email: bkyouthwing@gmail.com Website: www.bkyouth.org
To get sms Daily for Swaman Please type Join DivyaDarpan and send sms to 567678.